Cambridge International Examinations
Cambridge International General Certificate of Secondary Education

CANDIDATE NAME

CENTRE NUMBER | CANDIDATE NUMBER

2309909415

HINDI AS A SECOND LANGUAGE **0549/12**

Paper 1 Reading and Writing **May/June 2015**

2 hours

Candidates answer on the Question Paper.

No Additional Materials are required.

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, glue or correction fluid.
DO **NOT** WRITE IN ANY BARCODES.

Answer **all** questions.

The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

The syllabus is approved for use in England, Wales and Northern Ireland as a Cambridge International Level 1/Level 2 Certificate.

This document consists of **13** printed pages and **3** blank pages.

DC (LK/JF) 98593/4
© UCLES 2015

CAMBRIDGE International Examinations

[Turn over

खंड 1

अभ्यास 1 प्रश्न 1–6

'20 साल से नदी तैरकर स्कूल जाने वाले शिक्षक' पर निम्नलिखित आलेख पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारत के दक्षिण राज्य केरल के एक छोटे से गाँव में रहने वाले गणित के शिक्षक प्रशांत नायर ने 20 साल में आज तक कभी स्कूल पहुंचने में देरी नहीं की और न ही कभी छुट्टी ली। आज भी वे सिर पर थैला रखकर एक रबड़ ट्यूब के सहारे तैरकर बच्चों को पढ़ाने स्कूल जाते हैं। प्रशांत बचपन से ही अध्यापक बनना चाहते थे। यह गांव तीन तरफ से नदी से घिरा हुआ है। सड़क मार्ग से स्कूल तक का रास्ता सात किलोमीटर लंबा है जबकि नदी को पार करके जाने में ये दूरी सिर्फ़ एक किलोमीटर होती है।

जब उन्होंने इस स्कूल में अध्यापक के रूप में पढ़ाना शुरू किया तब उन्हें स्कूल तक पहुँचने के लिए तीन-तीन बसें बदलनी पड़ती थीं। सवा दस बजे तक स्कूल पहुँचने के लिए प्रशांत को लगभग साढ़े आठ बजे घर से निकलना पड़ता था। सबसे ज़्यादा वक्त तो बस का इंतज़ार करने में ख़राब हो जाता था।

उन्हीं के एक साथी शिक्षक ने प्रशांत को नदी में तैरकर स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। फिर उन्होंने तैरना सीखा और इसके बाद से अब तक वह तैरकर ही स्कूल जाते हैं। लेकिन कभी कभी पानी का स्तर बहुत ज़्यादा होता है। अधिक जल स्तर के दौरान प्रशांत का तैरकर जाना उनके परिवार वालों को विशेष चिंतित किया करता था। लेकिन परिवार वाले समझ गए कि प्रशांत हार नहीं मानेगा।

वह रोज़ाना नदी किनारे पहुँचने के बाद अपने कपड़े बदल लेते हैं। सारा सामान थैले में रखते हैं और फिर नदी में तैरने के लिए उतर जाते हैं। एक ट्यूब की मदद से वह नदी को पार करते हैं। नदी के दूसरे छोर पर पहुँचने के बाद फिर से अपने कपड़े पहनकर स्कूल में प्रवेश करते हैं। प्रशांत नौवीं कक्षा से ही चश्मा पहनते हैं और तैरते वक्त भी वे इसे पहने रहते हैं।

प्रशांत के इस जुनून को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में उन्होंने कहा "लोगों ने पहली बार जब मुझे तैरते देखा था तो वे उत्साहित और हैरान थे लेकिन अब उन्हें इसकी आदत हो गई है। वे जानते हैं कि साढ़े नौ बजे मैं उन्हें नदी में तैरता मिल जाऊँगा। तैरने के बाद मैं थकान महसूस नहीं करता। गर्मियों में तैरकर स्कूल पहुँचने के बाद मैं तरोताज़ा महसूस करता हूँ। स्कूल से लौटने के दौरान भी मैं तैरने की वही प्रक्रिया दोहराता हूँ।"

1 प्रशांत तैरने के दौरान अपना थैला कहाँ रखते हैं?

....[1]

2 प्रशांत तैरकर स्कूल क्यों जाते थे?

....[1]

3 कब प्रशांत को घर से जल्दी निकलना पड़ता था?

....[1]

4 किस समय प्रशांत के परिवार वाले नदी पार करने को लेकर परेशान होते थे?

....[1]

5 तैरने के दौरान प्रशांत क्या पहने रहते हैं?

....[1]

6 तैरने के बाद प्रशांत कैसा महसूस करते थे?

....[1]

[अंक: 6]

अभ्यास 2 प्रश्न 7

अपने मनचाहे लेखकों से मिलने का सुनहरा अवसर

लेखन कार्यशाला

गांधी मार्ग, पटना, बिहार।

दूरभाष **00-552-7745289, 00-552-7573528**

प्रदेश के स्कूली बच्चे लेखन कार्यशाला में लेखन शैली सीखें और अपने मनचाहे लेखकों के साथ अभ्यास शिविर में शामिल होने के लिए आवेदन करें।

हिंदी लेखन के प्रति बढ़ती रुचि के कारण और प्रसिद्ध लेखकों और स्कूली छात्रों के बीच संवाद कायम करने के लिए दो हफ्ते की कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में स्कूली छात्रों को लेखन संबंधी जानकारी मिलेगी। साथ ही अपने चहेते लेखकों से सीखने का अवसर भी मिलेगा। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क है। यह पूरा आयोजन बिहार सरकार द्वारा किया जा रहा है। आयोजनकर्ता उन बच्चों को कार्यशाला में बुलाना चाहते हैं जो लेखन के प्रति विशेष रुचि रखते हैं।

मुन्नी की उम्र 15 वर्ष है। उसे बचपन से ही साहित्यिक परिवेश मिला है। वह भविष्य में लेखन को ही अपनी जीविका बनाना चाहती है। वह स्कूल पत्रिका के लिए पिछले दो वर्षों से लिख रही है। उसके लेख स्कूल पत्रिका के अलावा जगतजाल पर ब्लॉग के रूप में भी पढ़े जा सकते हैं। वह रोज़ाना स्कूल जाती है। उसका स्कूल 2 बजे समाप्त होता है। लिहाज़ा, सप्ताह के दौरान वह कार्यशाला में नहीं जाना चाहती। सप्ताहांत में वह दोपहर को संगीत सीखती है इसलिए सुबह का समय सर्वाधिक उचित है। वह पटना शहर के पुनाई चौक के 12 अशोक नगर में रहती है। उसका ई-मेल है munni201@hotmail.com और उसका टेलिफोन न. 0552-9876363 है।

आप अपने को मुन्नी मानकर नीचे दिए गए आवेदन पत्र को भरिए।

लेखन कार्यशाला, गाँधी मार्ग, पटना।

दूरभाष 00-552-7745289, 00-552-7573528

आवेदक का नाम....मुन्नी ......

(सही का निशान लगाएं) आयु – 14–15 ☐ 16–17 ☐ 18–19 ☐

ईमेल – ....

पूरा पता – ....

....

....

निम्नलिखित विकल्पों के माध्यम से बताइए कि आप कब उपलब्ध हैं। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सप्ताह के दौरान।

☐ सप्ताहांत में।

निम्नलिखित अवधियों में से उचित अवधि चुनें। [कोष्ठक में सही का निशान लगाएं]

☐ सुबह 9 बजे से 12 बजे तक

☐ दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक

लेखन संबंधी अनुभव बताइए

....

....

....

[अंक: 7]

अभ्यास 3 प्रश्न 8–11

'कैसे होंगे भविष्य के अति आधुनिक शहर' शीर्षक से निम्नलिखित लेख पढ़िए।

तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और बढ़ते प्रदूषण के जवाब में दुनियाभर में नए शहर बसाए जा रहे हैं। इन नए शहरों को बसाने में और पुराने शहरों के नवीनीकरण के लिए वेब नेटवर्क को क्रांतिकारी रूप में प्रयोग में लाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। भारतीय अनुसंधान आयोग के प्रमुख वैज्ञानिक एस. के. सिंह ने बताया कि "ये अति आधुनिक शहर आंकड़ों एवं तथ्यों की मदद से लोगों को सड़क जाम से बचायेंगे। उनके अनुसार निवासियों को बेहतर सूचना देने के लिए विभिन्न सेवाओं के साथ जोड़ा जाएगा।" प्रोफेसर सिंह ने शहरों के अति आधुनिक बनाने के पीछे शहरों को और हरा-भरा बनाना और पर्यावरण को कम दूषित करना अहम लक्ष्य माना।

इस अति आधुनिक शहर की विशेषता को समझाते हुए प्रोफेसर सिंह ने इसे 'बक्से में बंद शहर' की संज्ञा भी दी। उनके अनुसार इस शहर की इमारतों की सभी चीज़ों में बिजली के सेंसर लगे होंगे। जैसे स्वचालित सीढ़ियां, जो तभी चलेंगी जब उनपर कोई खड़ा होगा। सभी घरों में सुरक्षा के लिए टेलिप्रेजेंस सिस्टम लगा होगा। साथ ही घर के ताले, घर की वातानुकूलित प्रणाली आदि सभी पर इ-नेटवर्क के ज़रिए नियत्रंण रखा जाएगा। यहां तक की स्कूल, अस्पताल और दूसरे सरकारी दफ्तर भी नेटवर्क पर रहेंगे। प्रोफेसर सिंह ने तकनीक की दृष्टि से यह शहर बेमिसाल माना और कहा "लेकिन ज़रूरी नहीं कि इसीलिए लोगों के लिए भी यह शहर आदर्श ही साबित हो।"

अनुसंधान की पत्रिका में सौर उर्जा और वायु उर्जा के उन संयंत्रों के बारे में जानकारी दी गई है जिससे प्रदूषण में कमी आएगी। शहर को निजि वाहनों से मुक्त रखा जाएगा। यहां कोई कार नज़र नहीं आएगी बल्कि आवाजाही के लिए बिजली से चलने वाली चालकरहित गाड़ियां बनाई जा रही हैं। इस शहर में 40,000 लोग रह सकेंगे। लेकिन इसे बनाने की क़ीमत कई अरब डॉलरों में आंकी जा रही है जिसकी वजह से आलोचकों का कहना है कि दूसरी जगह ऐसा शहर बसाना आसान नहीं होगा। शहर की तीस एजेंसियों को एक नेटवर्क पर जोड़ा जाएगा ताकि किसी भी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

प्रोफेसर सिंह मानते हैं कि यह परियोजना सफल हो सकती है अगर घर बनाने में सभी लोग योगदान दें, तो फिर वह एक आदर्श शहर होगा। शहर में कई रोचक परियोजनाएं लागू की जाएंगी। बस मार्गों को और कचरा उठाने की प्रक्रिया को सेंसर की मदद से और सक्षम किया जाएगा। इसके अलावा परिवहन के लिए संपर्क रहित भुगतान व्यवस्था भी तैयार की जाएगी।

अभ्यास 3 प्रश्न 8–11

आपके स्कूल में एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का विषय है 'कैसे होंगे भविष्य के अति आधुनिक शहर' इस लेख में से नीचे दिए गए प्रत्येक शीर्षक के अंतर्गत नोट लिखें जिसपर आपका भाषण आधारित होगा।

8 वेब नेटवर्क अति आधुनिक शहरों को बनाने में क्या भूमिका निभाएगा?

- .... [1]
- .... [1]

9 अति आधुनिक शहर के घरों की क्या विशेषताएं होंगी?

- .... [1]
- .... [1]

10 अति आधुनिक शहरों में प्रदूषण पर कैसे अकुंश लगाया जाएगा?

- .... [1]
- .... [1]

11 यातायात भाड़ा देने के लिए क्या विकल्प सुझाया गया है?

- .... [1]

[अंक: 7]

अभ्यास 4 प्रश्न - 12

निम्नलिखित आलेख का सारांश लिखिए जिसके द्वारा बतायें कि बच्चों के बहुआयामी विकास के लिए अभिभावक क्या कदम उठायें? आलेख के आधार पर उन मुख्य बिन्दुओं का समावेश अपने शब्दों में करें।

आपका सारांश 100 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

संगत बिन्दुओं के समावेश के लिए 6 अंक और भाषिक अभिव्यक्ति के लिए 4 अंक निर्धारित हैं। पाठांश से वाक्य उतारना उचित नहीं है।

एक बैंक में कार्यरत श्रीमती मधुमिता गुप्ता को जब भी समय मिलता है, वह ज़्यादा से ज़्यादा समय अपने बच्चों के साथ बिताती हैं। यही नहीं वह उनकी बचकानी हरकतों में भी शामिल होती हैं। कभी उनके साथ लूडो, कैरम खेलना तो कभी चित्रकारी करना, कभी बैडमिंटन में दो-दो हाथ आजमाना तो कभी बच्चों से घर के छोटे-छोटे कामों में मदद लेकर उनके साथ समय व्यतीत करना। मधुमिता कहती हैं कि ऐसा करने से मेरे बच्चे खुश और स्वस्थ तो रहते ही हैं। साथ ही उनके विकास में भी मदद मिलती है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चे के साथ समय बिताने से न केवल आप उनके चतुर्मुखी विकास में सहायक होती हैं, बल्कि इससे आपसी लगाव भी बढ़ता है।

बच्चों की चाहत होती है कि सुबह जब उनकी नींद खुले तो मां उनके पास हो। अगर बच्चों के सोने का कमरा अलग है तब भी थोड़ी देर के लिए बच्चों के पास आकर लेटें। बच्चों को अलग-अलग तरह के खाने ले जाने की चाहत होती है। उनके खाने के डिब्बे में पौष्टिकता और उनकी पसंद के अनुरूप खाना दें। सुबह या शाम जब भी मौक़ा मिले बच्चों को प्रेरणास्पद किस्से और कहानियां सुनाइए।

बच्चों के संपूर्ण बौद्धिक विकास के लिए उन्हें ज्ञानवर्द्धक जानकारियों से युक्त किताबें उपलब्ध कराएं। बच्चों को नई-नई तकनीक की जितनी जल्दी जानकारी हो जाती है, उतनी बड़ों को नहीं हो पाती। अत: बच्चों के साथ बैठकर तकनीक संबंधी बातें सीखें। बच्चों को कभी पार्क में तो कभी चिड़ियाघर या झील, नदी के किनारे ले जाएं। इससे बच्चे समझेंगे कि प्राकृतिक वातावरण सभी के लिए कितना ज़रूरी है।

बच्चों के सामने आपस में लड़ाई-झगड़ा न करें। इसका बच्चों के कोमल मन पर गहरा असर पड़ता है। अगर बच्चा आपसे कोई बात शेयर कर रहा है तो उस की बातों को ध्यानपूर्वक सुनें। यह भी ध्यान रखें कि कभी बीती बातों को लेकर उस पर कटाक्ष न करें। बच्चों को बड़ों का सम्मान और छोटों को प्यार करना भी सिखाएं। इससे आगे चलकर वे सबके प्रिय रहेंगे।

© UCLES 2015

‘महक उठेगा बचपन’

[अंक: 10]

खंड 2

अभ्यास 5 प्रश्न 13–19

निम्नलिखित आलेख को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बिहार की बाल वधू बनीं ब्रिटेन की 'डेम'

मीना यादव का जन्म बिहार के सीतामढ़ी में एक समृद्ध परिवार में हुआ। लेकिन बचपन में ही माँ के निधन के बाद कोई 14–15 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई। कुछ साल पटना में रहने के बाद वे पति और तीन बच्चों के साथ ब्रिटेन आ गईं। वह बताती हैं, "हमारा इरादा ब्रिटेन में आकर बसने का नहीं था। शुरु शुरु में अजीब लगता था। इससे पहले कभी बर्फ़ नहीं देखी थी। जब साड़ी और चप्पल पहनकर यहाँ बर्फ़ पर चलती थी तो ठीक से चला भी नहीं जाता था। फिसल जाती थी। ज़िंदगी में पहली बार ग़ैर भारतीय लोगों को देखा। दूसरी दिक़्क़त थी अंग्रेज़ी की। भारत में थोड़ी बहुत अंग्रेज़ी पढ़ी थी। लेकिन कभी अंग्रेज़ी में बात नहीं की थी। बस सोच लिया कि अंग्रेज़ी सीखनी है।"

वे बताती हैं, "कोई कोर्स तो नहीं किया। जब टीवी देखती थी और सीखती थी, बच्चे पढ़ते थे तो सीखती थी या बच्चों के स्कूल में बतौर अभिभावक जाती थी तो सुनती थी। इसी तरह अंग्रेज़ी सीख ली। ज़िंदगी में पहली बार लगा कि कोई दूसरा नहीं बता रहा है कि क्या करना है और पूरी आज़ादी है।" बस यहीं से कुछ करने की भावना मन में पैदा हुई। मीना यादव ने 36 साल की उम्र में अपनी पहली डिग्री प्राप्त की। इसमें उन्हें अपने बच्चों और डॉक्टर पति का पूरा साथ मिला।

अब वे ब्रिटेन के वेस्ट नॉटिंघमशायर कॉलेज की प्रधानाचार्य हैं और ग़रीब मज़दूर वर्ग के लिए काम करती हैं। उन्होंने अपनी परोपकारी संस्था भी शुरु की है। मीना यादव बताती हैं, "हम जिस समुदाय के लिए काम करते हैं वह वंचित वर्ग के लोग हैं, जिनके परिवार में बेरोज़गारी है, जहाँ पुरानी कोयला और कपड़ा मिल बंद हो गई। मुझे लगा कि अब मेरी बारी है समाज को कुछ वापस देने की। मैंने अपनी संस्था शुरु की। कोशिश यही होती है कि हर साल 100,000 पाउंड इकट्ठा करना और बच्चों को शिक्षा, खाना और रहने के लिए एक छत देना।"

मीना यादव मानती हैं कि भारत से विरासत में मिले मूल्यों का उन्होंने ब्रिटेन में अपने काम में ख़ूब इस्तेमाल किया- जैसे कॉलेज के लोग आपके परिवार के सदस्य हैं, यहाँ का समुदाय आपका बड़ा परिवार है। बिहार से ब्रिटेन के इस सफ़र में मीना यादव को शिक्षा के क्षेत्र में कई सम्मान मिल चुके हैं। ब्रिटेन में समाज सेवा के लिए राज घराने द्वारा महिलाओं को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान डेम कहलाता है। महारानी के हाथों डेम का सम्मान इसी सफ़र का एक और अहम पड़ाव है।

© UCLES 2015

कृपया प्रश्न 13 से 16 तक के उत्तर सही या ग़लत के कोष्ठक में ✓ का निशान लगाकर दीजिए। यदि वाक्य ग़लत है तो उसे पाठांश के आधार पर ठीक कीजिए।

	सही	ग़लत
उदाहरण – मीना का जन्म एक ग़रीब परिवार में हुआ।	☐	✓
औचित्य – मीना का जन्म एक समृद्ध परिवार में हुआ।		
13 मीना यादव की मंशा ब्रिटेन में रहने की नहीं थी।	☐	☐
....		
14 मीना यादव को शुरु में ब्रिटेन का जीवन स्वाभाविक लगा।	☐	☐
....		
15 भारत में उन्होंने अंग्रेज़ी पढ़ी नहीं थी हालांकि वह बोलती अवश्य थीं।	☐	☐
....		
16 लोगों के दिशा निर्देश से कुछ नया करने की अभिलाषा पैदा हुई।	☐	☐
....		

अब निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

17 मीना यादव की संस्था किस वर्ग को मदद देती है?

.... [1]

18 मीना यादव ने अपने काम में किन वैचारिक मूल्यों का प्रयोग किया?

.... [1]

19 कौन सा सम्मान उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि माना जा सकता?

.... [1]

[अंक: 10]

© UCLES 2015

अभ्यास 6 प्रश्न 20

क्या आपसी मुकाबले की भावना खेलकूद के स्तर को प्रभावित करती है?

प्रतिष्ठित जगतजाल द्वारा 'क्या आपसी मुकाबले की भावना खेलकूद के स्तर को प्रभावित करती है?' विषय पर ब्लॉग आमंत्रित किए गए हैं। इसमें भाग लेने के लिए ऊपर दिये गए विषय पर अपना ब्लॉग लिखें। आपका ब्लॉग विषय से संबंधित जानकारी पर केन्द्रित होना चाहिए।

आपका ब्लॉग 150 से 200 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

लिखित ब्लॉग पर अंर्तवस्तु के लिए 10 अंक और सटीक भाषा के लिए भी 10 अंक निर्धारित हैं।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

© UCLES 2015

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....[अंक: 20]

BLANK PAGE

© UCLES 2015

BLANK PAGE

© UCLES 2015

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.